

संक्षिप्त खबरें

शिक्षाविद के निधन पर
पूर्व मंत्री ने जताया शोक

मुजफ्फरपुर जिले के अलावलपुर

ग्रामवासी प्रखंड समाज सेवा,

शिक्षाविद राजकुमार सिंह का

शुक्रवार को निधन हो गया। वे 80

वर्ष के थे। स्वर्णीय सिंह के

स्वभूतिपुर संघर्ष के बीच चल

के बीच चल रहे थे। शिक्षाविद

के वरिष्ठ नेता पूर्व मंत्री अंजीत कुमार

ने स्वर्णीय सिंह के निधन का खबर

सुनकर रविवार को उनके पैतृक

गांव अलावलपुर पहुंचे, जहां

शोक संतप्त परिवार से मिलकर

उहैं सत्त्वात्मा

एस. इस मौके पर

श्री कुमार ने कहा कि राजकुमार

बाबू के निधन से हमारे समाज एवं

शिक्षा जगत को अधूरीय क्षति हुई

है। उन्होंने कहा कि राजकुमार

कुमार सिंह, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि

, पूर्व मुख्यमंत्री कामेश्वर शुक्ला,

समाजसेवी थीर्जन कुमार चौधरी

, पूर्व मुख्यमंत्री कामेश्वर शुक्ला,

समाजसेवी थीर्जन कुमार राधाराम

राजनीति में वे काफी दिलचस्पी

रखते थे। स्वर्णीय सिंह जिले के

कई विद्यालयों में 20 वर्षों तक

प्रशान्नाध्यापक के रूप में कारब्रत

रहे। उन्होंने एसएसपी

संघर्ष करने वालों में पूर्व मंत्री

अंजीत कुमार के अलावा भूमिहार

ब्राह्मण सामाजिक फँट के प्रदेश

महासचिव धर्मवीर शुक्ला, राधाराम

कुमार सिंह, मुख्यमंत्री प्रतिनिधि

, पूर्व मुख्यमंत्री कामेश्वर शुक्ला,

समाजसेवी थीर्जन कुमार चौधरी

, पूर्व मुख्यमंत्री कामेश्वर शुक्ला,

समाजसेवी थीर्जन कुमार राधाराम

राजनीति में वे अपने लोगों

में अंजीत कुमार सिंह आदि

मुख्यमंत्री प्रशुन कुमार सिंह आदि

प्रमुख हैं।

कैंसर जागरूकता

शिविर आयोजित

मुजफ्फरपुर। पुलिस ने लूटी गई

सामग्री के साथ अंतर्जित

प्रियोग के लिए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष करने वालों के बीच

प्रतिवाद करते हुए एसएसपी

संघर्ष कर

सम्पूर्ण जीर्णोद्धार की राह पर कांग्रेस

स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाने वाली कांग्रेस पार्टी इन दिनों एक साथ कई मर्दों पर संघरणत है। सत्ता का विपक्ष के प्रति दुश्मनों जैसा व्यवहार जहाँ कांग्रेस व कांग्रेस नेताओं के लिये चुनावी बन हुआ है वहीं कांग्रेस अपनी पार्टी में ही पल रहे आस्तीन के साँझे से भी ज़ज़ह रही है औ अनेक अवसरवादी नेता समय समय पर किसी न किसी बहाने से न केवल कांग्रेस छोड़कर बल्कि कांग्रेस की राजनीतिक विचारधारा को भी ताग कर धर्मनिषेक्ष भरत के निर्माण में अपना योगदान देने के बजाय साम्भारायिकता की दी डुगडुई पीटने में लगे हैं। अनेक छठ कांग्रेसी नेता भी पार्टी छोड़कर भव्यवश सत्ता की आगोश में जा जैर हैं और किसी जांच एजेंसी का सामना करने के बजाय सुविधापूर्ण जीवन व्यतीत कर रहे हैं। इतना ही नहीं बल्कि नवगठित इंडिया गठबंधन के कई क्षेत्रीय घटक दल भी सीट शेर्यरिंग को लेकर कांग्रेस को कमतर आंकने की कोशिश कर रहे हैं। योग्य ऐसे वक्त में जबकि इंडिया गठबंधन का एक जुट व मजबूत होने का सन्देश देना चाहिये ऐसे वक्त में कई विपक्षी क्षेत्रीय दल भी कांग्रेस का ही हौसला पस्त करने में लगे हैं। उधर इन्हीं विषम परिस्थितियों में राहड़ लगांधी मणिपुर से मुंबई तक की लगभग 6,700 किलोमीटर की भारत जाड़ों न्याय यात्रा पर निकल चुके हैं। इस यात्रा की शुरूआत में ही इंडिया गठबंधन के प्रारंभिक सूत्रधार बैबोर के मुख्यमन्त्री नीतीश कुमार के साथ खेला हो गया और वे अपने पुराने



ऋतुपण दव लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

करे अपनी मौत की अफवाह उड़ा शोहर बटोरे वाली अदाकारा स्वसंबोध और सकुशल रहे। लेकिन उसकी इह हरकत की जितनी भी निंदा की जाए कम है। सर्वाइकल कैंसर के नाम पर जागरूकता की आड़ में उसके इस भूमिका से किनने प्रशंसकों को धब्बा लगा होगा इसका अंदाजा उसे नहीं कैसे भूल गई वो एक भारतीय है जिसके भावना प्रधानउस देशसे है जहां लोगों के दिल से जुड़ते हैं, दिखावा नहीं करते, पूनम जैसा छलावा नहीं करते। कैसे उन्हें कैंसर जैसी भयानक बीमारी विद्युत सामना भी न करना पड़े। लेकिन उनके हल्की सोच और जागरूकता की आड़ में खेले गए खेल ने कैंसर पीड़ितों और उनके लिए जुड़े-जुड़े लोगों को कितना आहत किया है? शायद इसकी अंदाजा भी पूनम को नहीं होगा। अपनी ओर ध्यान खींचने के लिए पहले किसी ने ऐसी जरूरत की हो, याद नहीं आती।

क्या पूनम की इस छिलेरे झूट वार्कइंग में कैंसर की प्रति जागरूकता की फैला पाएगी? कैंसर मरीजों या पीड़ितों मानवता के प्रति इतनी ही हमदर्दी होनी चाही-

जहां- तहां अपने शो करतीं जो कैंसर के खिलाफ और बचाव के लिए कारगर मुहिम होती। लेकिन ये क्या? उन्होंने तौ पूरे देश के साथ एक तरह से धोखा किया, वह भी अपनी ओर ध्यान खंचेंने के लिए। यह असहनीय है। पूनम कैसे भूल गई कि ये वो देश है जहां किरदार को भी भगवान की तरह पूजा जाता है। उसे कैसे याद नहीं कि लोकप्रिय सीरियल और फिल्मों के भगवान बने पात्रों कोभी पूजा जाता है। इस हरकत से पहले कैसे भूल गई कि लोकप्रियता के शिखर पर पहुंच अभिनेताओं की मौत से आहत न जाने कितने प्रशंसकों ने अपनी जान तक दे दी। यूँ तो कई उदाहरण हैं पर एक ही यहाँ काफी है जहां दिग्गज तमिल अभिनेता से मुख्यमंत्री के मुकाम तक पहुंचे एमजी रामचंद्रन की 24 दिसंबर, 1987 को मृत्यु के बाद तमिलनाडु दहल उठा। हर कोई दुखी था और हाहाकार मच्या हुआ था। लोग इतने आहत कि किसी ने अपनी नसें काट लींगों कीसी ने जहर पी लिया। कहियों ने अपनी उंगली और जीभ तक काट डाली। दुखी लोगों के एमजीआर घर बना। माना कि यह एक सार्वजनिक उन्माद था जिसमें आत्महत्याओं और अलावा, एमजीआर की मौत के बड़े लोगों परहुई फायरिंग से 2 और मौतें भी हुईं। अच्छा हुआ नियम फेरबी पूनम शाहरत के उस मुकाम तक नहीं पहुंच पाई थी वरना उसके बाद यह खलनायकी कितनी भारी पड़ती रही।

पूनम की हड्ड दर्जे की ढिटाइ दरेखिया इंस्टाग्राम पर वीडियो सज्जा करते हुए अपने जिंदा होने का सबूत भी खुद देती है कि उसे कैंसर नहीं है। उसके बाद तो सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ जागरूकता के लिए ऐसा किया। जिसे सोशल मीडिया पर उनके फैन उनके मौत का गम मना, अंतिम संस्कार का स्थान पता कर रहे थे वही अपने उसे ट्रोल कर रहे हैं। उसी सोशल मीडिया पर उसके प्रति नफरत भरी जाने कितनी पोस्ट घम रही हैं। फिल्म इण्डस्ट्री भी खूबूचक है। कई सिरात नाखुश हैं और खरी-खोटी सुना होता है। इंडियन फिल्म एंड टीवी डायरेक्टर एसोसिएशन ने सख्त कार्रवाई की मांग तक की है।

वाकई में पूनम पाण्डे ने उन सभी ब

३८४

અસ્ત્રા વાણ કરતું

कीनन बेहद और उत्सक नायोग न जुटे तो सभी फूनम फर्जी सिने राजहै बेहद टी के लोग ग्राकरत द नहीं लिए सम का मों के मार्ता, थाई द 10 दी कर गोवा डिया दी के इतना झगड़ा हुआ कि उनके पति सैम को जेल की हवा खानी पड़ी और अईप्सी की धारा 353, 506 और 354 के तहत मामला तक दर्ज हो गया। ग्लैमर की इस चकाचौथी भरी इंडस्ट्री में पूनम पांड का नाम अनेकों लोगों के साथ जुड़ाफिर भी उसका फिल्मी कैरियर ज्यादा सफल नहीं रहा। इतना ही नहीं उसके लैमर और बोल्डनेस के मिक्स अप ज्यादा नहीं चल पाए तो समाज सेवा का झूठा दिखावा करने के लिए ऐसे पब्लिसिटी स्टंट उत्तर आई लगता नहीं कि इन दिनों कहीं ओटीटी प्लेटफार्म तो कहीं छोटे-बड़े पर्दे पर ध्यान खींचने खातिर कलाजियों का दौर चल रहा है। अभी कुछ दिन पहले बिंग बॉस 17 में अभिनेत्री अंकिता लोखड़े अपने बिजनेसमें पति विक्की जैन के साथ पहुंची थीं। जहां दोनों के बीच काफी बवाल हुआ और रिश्ता सुर्खियों में बना रहा। ये लड़ाई इनके घरों तक भी पहुंची। अंकिता की सास रंजना जैन ने फैमिली बीक में बिंग बॉस हाउस में एंट्री की और काफी खरी-खोटी सुनाई। यहां मेरा यह बताना जरूरी साल की उम्र तक) मैंने अपने सामने देखा, उसे गोद में भी खिलाया। उसके पिता मेरे नगर में शासकीय विभाग में बड़े पद पर रहे। मैं उनके साथ एक प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था में बड़ी जिम्मेदारी में था। वहीं विक्की की माँ रंजना जैन भी उसी संगठन की महिला विंग की अध्यक्ष रहीं जो पारिवारिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ संगठन के चोटी पर पहुंचाने के प्रबंधन में हमेशा अव्वल रहतीं। यह सब मैंने करीब से देखा। उनकी मेहनत से चमके भाया ने सबको ऊंचाई पर पहुंचाया। यहां पूर्ण पाण्डे से ठीक उलट रंजना जैन पर उनके स्वाभाव से इतर सोशल मीडिया पर खुब आलोचना और कटाक्षण किए गए। मैं दावे से कह सकता हूँ कि रंजना जैन बेहद समझदार, पारिवारिक महिला हैं जो शिखर पर पहुंच कर भी सापान्य हैं। अब विक्की भी दोनों की भावनाओं को समझता है जो परवरिश का ही असर है। उसने अपनी माँ के पक्ष में सफाई भी दी है। स्क्रीन पर रंजना जैन ने जो कहा या किया वह उनकी रियल फीलिंग्स थीं न कि सुर्खियों बटोरने का स्टंट।

दीक उसके विपरीत अंतरिम बजट देखने को मिला है। जिसके कारण आर्थिक जगत में तरह-तरह की परिवर्तनों को सिन रही है। अनुभाव ऐसा है कि यहाँ को कोई गठन नहीं की पर्याप्त नहीं कोई क्रम नहीं

दिया गया युवाओं को भी कुछ नहीं मिला महिलाओं के हाथ में भी कुछ नहीं आया महंगाई और बेरोज़गारी आम आदमी त्रस्त है बजट में उसके लिए भी कुछ नहीं है इसके बाद भी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव 400 से ज्यादा सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है इससे सभी को हैरानी हो रही है। केंद्र सरकार इतना बड़ा रिस्क क्यों लिया लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सरकार कुछ लोग लुभावन योजनाओं का घोषणा कर सकती थी सरकार की ओर से पिछले महीनों में इसे प्रचारित भी किया जा रहा था सरकार वे ऐसी कौन सी मजबूरी आ गई जिसके कारण सरकार को इतना कठोर बजट लाना पड़ा। आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार केंद्र सरकार की माली हालत बड़ी खराब चल रही है केंद्र सरकार कर्ज लेने के लिए विदेशी बाजारी करने जा रही है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पहले ही भारत सरकार को चेतावनी जारी की है जीडीपी व तुलना में भारत सरकार के ऊपर कर्ज लगातार बढ़ता चला जा रहा है 2014 में केंद्र सरकार के ऊपर 5 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था जो 2024 में बढ़कर 190 लाख करोड़ का होने जा रहा है



स्वत्र लेखक

अंतिम बजट प्रस्तुत किया गया है उसको लेकर सभी और आश्वर्य व्यक्त किया जा रहा है कुछ माह पश्चात लोकसभा का चुनाव है अंतरिम बजट में जिस तरह की आशा की जा रही थी। ठीक उसके विपरीत अंतरिम बजट देखने को मिला है। जिसके कारण आर्थिक जगत में तरह-तरह की प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। अंतरिम बजट में किसानों को कोई राहत नहीं दी गई गरीबों को भी कुछ नहीं दिया गया युवाओं को भी कुछ नहीं मिला महिलाओं के हाथ में भी कुछ नहीं आया महंगाई और बेरोजगारी से आप आदमी त्रस्त है बजट में उसके लिए भी कुछ नहीं है इसके बाद भी सरकार 2024 का लोकसभा चुनाव 400 से ज्यादा सीटों पर जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही है इससे सभी को हैरानी हो रही है। केंद्र सरकार ने इतना बड़ा रिस्क क्यों लिया लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए सरकार कुछ कर सकती थी सरकार को पिछले महीने में इसे प्रचारित भौमिका जा रहा था सरकार की ऐसी वज़ाफ़ी आ गई जिसके कारण को इतना कठोर बजट लाना पड़ा आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसुन्धान सरकार की माली हालत बड़ी चल रही है केंद्र सरकार कर्ज लिए विदेशी बांड जारी करने हैं अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पर्याप्त भारत सरकार को चेतावनी जारी की है जारीपी की तुलना में भारत के ऊपर कर्ज लगातार बढ़ता चल रहा है 2014 में केंद्र सरकार द्वारा 55 लाख करोड रुपए का कर्ज 2024 में बढ़कर 190 लाख का होने जा रहा है पिछले 10 सालों में भारत सरकार के ऊपर कर्ज के साथ बढ़ा है मार्च 2024 वेले सरकार को 10 लाख 55000 रुपए का भुगतान कर्ज की अदाएँ रुप में करना पड़ा। अप्रैल 2024

कर सकती थी सरकार की ओर से पिछले महीनों में इसे प्रचारित भी किया जा रहा था सरकार की ऐसी कौन सी मजबूरी आ गई जिसके कारण सरकार को इतना कठोर बजट लाना पड़ा।

आर्थिक विशेषज्ञों के अनुसार केंद्र सरकार की माली हालत बड़ी खराब चल रही है केंद्र सरकार कर्ज लेने के लिए विदेशी बांड जारी करने जा रही है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पहले ही भारत सरकार को चेतावनी जारी की है जीडीपी की तुलना में भारत सरकार के ऊपर कर्ज लगातार बढ़ता चला जा रहा है 2014 में केंद्र सरकार के ऊपर 55 लाख करोड़ रुपए का कर्ज था जो 2024 में बढ़कर 190 लाख करोड़ का होने जा रहा है पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार के ऊपर कर्ज तेजी के साथ बढ़ा है मार्च 2024 के पहले सरकार को 10 लाख 55000 करोड़ रुपए का भुगतान कर्ज की अदायगी के रूप में करना पड़ा। अप्रैल 2024 के लाख 90000 करोड़ रुपए कर्ज ने रूप में चुकाना होगे। जो वर्तमान बज एक लगभग 40 फीसदी होगा। भारत के ऊपर जो डोमेस्टिक कर्ज है भारत सरकार को जो राजस्व प्राप्त हो रहा उसका 40 फीसदी अकेले कर्ज और व्याज की भुगतान में जा रहा है जिसके कारण राजकोषीय घाटा लगातार बढ़ा है राजकोषीय घाटे से कम भारत बचत वित्तीय संस्थानों में जमा हो रहा है राजकोषीय घाटे की पूर्ति के लिए डोमेस्टिक ऋण मिल पाना मुश्किल गया है। इसलिए सरकार को मजबूत बस अब विदेशी बांड की तरफ जा पड़ रहा है। सरकार को कर्ज चुकाने लिए कर्ज लेना पड़ रहा है अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा सरकार को कर्ज करने खर्च को घटाने और राजस्व बढ़ाने का दबाव भारत सरकार पर बना हुआ है वर्तमान आर्थिक स्थिति को देखते हुए सरकार को विदेशी की ही एकमात्र सहारा रह गया है विदेशी

बजट रे
दबाव व
लाना प
खुद क
में जो त
हैं उसक
के द्वारा
द्वारा कै
भारतीय
किया ज
कारण
चली ज
बचत १
रिजर्व १
कर्ज देव
घाटा पू
के अंतर
मुश्किल
आयात
बिगड़त
निर्यात
से सरव

में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का जो था उसके अनुसार अंतरिम बजट बड़ा भारतीय निवेशकों ने अपना पूंजी निवेश नहीं किया भारत बड़ी-बड़ी परियोजनाएं चल रही हैं में कैपिटल इन्वेस्टमेंट सरकार द्वारा हो रहा है वित्तीय संस्थाओं परिटल इन्वेस्टमेंट किया गया है पर उद्योगपतियों द्वारा जो निवेश जाना था वह नहीं हुआ जिसके स्थिति दिनों दिन खराब होती रही है भारत में आम लोगों की भी पहले की तुलना में कम हुई है बैंक भी भारत सरकार को अब तक की स्थिति में नहीं है राजकोषीय राज करने के लिए भी अब भारत सरकार से सरकार को कर्ज मिलना न हो गया है। केंद्र सरकार का और निर्यात का संतुलन लगातार जा रहा है आयत ज्यादा है, कम हो रहा है। पिछले 5 वर्षों कार कर्ज लेकर खर्च कर रही है है ग्रामीण अर्थव्यवस्था बड़ी तेजी के साथ गिरावट की ओर है संगठित क्षेत्र भी संकट के दौर से जुरु रहा है गैर संगठित क्षेत्र भी भारत का लड़खड़ा रहा है इसको लेकर आईएफएफ ने बड़ी चिंता जताई है। भारत सरकार की कर्ज की लिमिट समाप्त हो चुकी है विदेशी कर्ज लेने के बाद भारत सरकार को टैक्स भी बढ़ाने होंगे और सब्सिडी घटाना होगी सरकार को अपने खर्च भी घटाने होंगे सरकार को कर्ज भी घटाना होगा सरकार ने बजट में प्रावधान कर लिए थे लेकिन सरकार के पास राशि खर्च करने के लिए उपलब्ध नहीं थी जिसके कारण सैकड़े परियोजनाएं जिन में कैपिटल इन्वेस्टमेंट है वह पैसे के अभाव में 5 साल तक लेट चल रही है। एक्सप्रेसवे और रेलवे में भारत सरकार द्वारा बड़ा पूंजी निवेश किया गया है लेकिन इसका रिटर्न भी सरकार को नहीं मिल पा रहा है भारतीय निवेशक इसमें निवेश भी नहीं कर रहे हैं जिसके कारण स्थिति और भी जहां परियोजनाएं चल रही हैं वहां केंद्र आसपास की जमीनें और व्यापारिक गतिविधियों के माध्यम से कमाई की जा रही है इससे जमीनें महंगी हुई है आम आदमी पर खर्च बढ़ा है लेकिन इसकी बेहतर स्थिति अर्थव्यवस्था में देखने को नहीं मिली जो मिलनी चाहिए थी आईएफएफ ने भारत सरकार को वित्तीय संतुलन बनाने के लिए कर्ज करने सरकार की आय बढ़ाने के लिए टैक्स बढ़ाने तथा सरकार की खर्च घटाने के लिए ठोस निर्णय लेने पर ही विदेशी सहायता मिलने की बात कही है सरकार अब बुरी तरीके से दबाव में है। अंतरिम बजट में अभी कोई टैक्स नहीं बढ़ाया गया है केंद्र सरकार ने 26 योजनाओं में जरूर कटौती की है लेकिन जूलाई माह में जो आम बजट आएगा उसमें निश्चित रूप से सरकार को सभी किस्म के टैक्स बढ़ाने होंगे सब्सिडी को कम या खत्म करना होगा लोक लुभावन योजनाओं को भी बंद करना पड़ेगा।

प्रत्यारोपों का अतीत आलिंगनबद्ध हो के पास दो तरह के दांतों वाला मुँह, वस्तु बनाकर सरेआम बेचा जाने लगा। ने बिहार में कुर्सी बचा ली। कमल का के लिए कानून के लचीलेपन को चक्का है। इह सब लोकसंघ चुनावों के पल-पल पटलती जबान पपे-पपे पर संत कबीर को भलकर कहीं आपती फल पंजा हमिया-दशैया विमिया-दशैया की तरह पार्श्व क्षेत्रों ताले गए

राजनैतिक सरगमियों

हाँ राजा हाउस के नासन न बचाने की गर्मी फैलने लगी है। चारोंहाँ लेकर चौपालों तक दल-बदलुआ की चचाहें हो रही हैं। कहीं दलों व सिध्दान्तों की चिता जलाइ जा रही तो कहीं आदर्शों को तिलांजलि दी जारही है। एक ओर विरोधियों को गलगाने की सिलसिला चल निकला तो दूसरी ओर कटू-आलोचनाओं व पुराने दौर को अद्वाष्टत किया जा रहा है। चारों ओर स्वार्थ की बरसात रही है। विपरीत विचारधारा वाले दोनों

माध्यम से दिल्ली दरवार का सिंहासन हथियाने के की जंग का हिस्सा है। राम के अस्तित्व पर प्रश्न-चिन्ह अकिञ्चित वाले लोग मर्दों में माथा टेकते नजर आ रहे हैं, किंतु लगाकर साधु जैसा वेष धारण करके सफल अधिनेता होने की परीक्षा दे रहे हैं। व्यक्ति की सच्चाई जानने के लिए आधिनिक विज्ञान ने पॉलीग्राफ टेस्ट, लाइ डिटेक्टर, नार्को टेस्ट, ब्रेन मैरिपिंग जैसे अनेक अविक्षकार किये हैं। पैत्रिक मानसिकता पर खने हेतु डाइएनए टेस्टिंग भी उपलब्ध हैं। परन्तु शायद ही कोई राजनेता इन परीक्षणों से

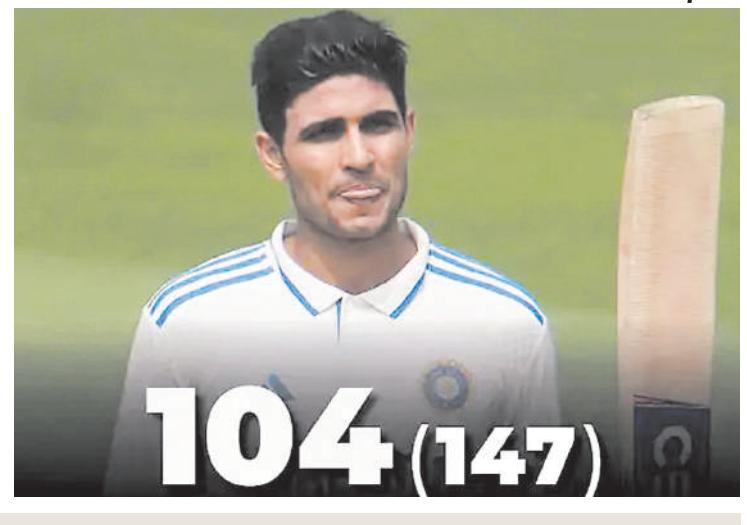
तो जीवन का दूरी अल्प ही अल्प
की गंगा पर आपति दर्ज होने लगी तो
कहीं अजान की आवाज का विरोध।
कहीं धार्मिक मनमानियों को श्रद्धा की
स्वतंत्रता के साथ जोड़कर परेसा गया
तो कहीं तानाशाही को मानवाधिकार
की दुहाई पर संरक्षण मिला। भगवान्,
भाव और भक्ति को आडम्बर कहने
वाले लोग आज मतदाताओं को रिजिने
के लिए चंदन लगे चेरों का फोटो
सेशन करवाने में जुटे हैं। महाराष्ट्र में
शेर के साथ दहाड़ने वाले व्यक्तित्व के
परिवारजनों ने घोर विरोधियों के साथ
गही हथियाने के लिए हाथ मिला लिया

बूरा, नाना, हारना इत्याजी, हारना बाली, घडी, शुख, साकिला, हाथी, तीर, दो फूल, दो पत्तियाँ, उगता हुआ सूरज, लालटेन, तीर-कमान, रेलवे का इंजन, झाड़ू जैसे प्रतीकों के साथ धमासान मचा हुआ है मगर प्रतीकों के मायने गौढ़ हो गये हैं। लालच, स्वार्थ और अहंकार के पोषण के लिए समीकरण साथे जा रहे हैं। संप्रदायगत, जातिगत, क्षेत्रगत, भाषागत, संस्कारगत, संस्कृतिगत विभेद फैलाकर लोगों को बांटने का काम चल रहा है। देश के अन्दर स्वयं की विरासत वापिस पाने और न देने का चलन तेज होता जा रहा है। यह जना पार हर प्रकृति पराना जाता है को अदलतों के दरवाजे खुलवाते हैं अपनी विशिष्टता का बखान करते हैं मनगढ़त संभावनाओं का जिक्र करके लोगों को विस्तरितताएँ पैदा करने के लिए उकसाते हैं और इन सबके लिए बसूलते हैं भारी-भरकम मेहनताना ऐसा करने वालों की जमात में एक दल का ही संख्यावल ज्यादातर काम करता देखा जा रहा है। वास्तविकता तो यह है कि देश का आम नागरिक आज भी बेहद भोला है जिसे भरमाने के लिए घातक चालबाजों के गिरोह अपने सोने-समझे षड्यंत्र के तहत बिकाऊ

विशाखापट्टनम टेस्ट में इंग्लैड को 399 रन का लक्ष्य

टीम ने 50 रन पर पहला विकेट गंवाया, अधिन ने डकेट को पवेलियन भेजा, स्कोर 67/1

विशाखापट्टनम (एजेंसी)। भारत ने 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में इंग्लैड को 399 रन का टारगेट दिया है। जवाब में इंग्लैड ने दूसरी पारी में एक विकेट पर 53 रन बना लिए हैं। स्टंप पर जैक रॉले 29 और रेहम 10 रन अहमद 9 रन पर नाबाद रहे। अभी इंग्लैड को जीत के लिए 332 रन और बनाने हैं। बैन डकेट (28 रन) को रविचंद्रन अधिन ने केएस भरत के हाथों कैच करवाया। विशाखापट्टनम में रविवार को मुकाबले के तीसरे दिन भरत ने दूसरी पारी में 28/0 से खेलना शुरू किया और 255 रन बनाया। शुभमन गिल ने 104 और अश्वर पटेल ने 45 रन की पारी खेली। इंग्लैड से टीम हार्टले ने 4 और रेहम अहमद ने 3 विकेट लिए। भरत को पहली पारी के बाद 143 रन की बढ़त मिली थी।



2017 के बाद नंबर-3 का घर में शतक

भारतीय टीम के नंबर-3 बल्लेबाज ने 2017 के बाद घरेलू मैदान पर शतकीय पारी खेली है। आखिरी बार चेतेश्वर पुजारा ने 2017 में नंबर-3 पर खेलते हुए घरेलू मैदान पर शतक बनाया था। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ नागपुर में 143 रन बनाए थे।

एक मैच में सबसे ज्यादा रन

शुभमन गिल ने इस मैच में कुल 138 रन बनाए। यह उनका एक मैच में सबसे ज्यादा रन का रिकॉर्ड भी है। इससे पहले गिल ने बांग्लादेश के खिलाफ चिटोग्राम टेस्ट में 2022 में कुल 130 रन बनाए थे।

विश्व शतरंज रैंकिंग

पहली बार टॉप 20 में पहुंच पाँच भारतीय, भारत विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर कायम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व शतरंज के द्वारा जारी की गयी ताजा विश्व रैंकिंग में पहली बार पाँच भारतीय शतरंज खिलाड़ी दुनिया के शीर्ष 20 में पहुंच गए हैं। हालांकि इस बारा कोई भी भारतीय खिलाड़ी शीर्ष 10 में जगह नहीं



बना सका है पर जल्द ही शीर्ष 10 में भी कई भारतीय होंगे। भारतीय खिलाड़ियों में विश्वनाथन अनंद 2748 ईएलओं अंकों के साथ 12वें, आर प्रज्ञानन्दा 2747 अंकों के साथ 13वें, 2747 अंकों के साथ विदित गुरजाती 14वें और डी युकेस 2743 अंकों के साथ 16वें स्थान पर हैं। जबकि 2738 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, अन्य भारतीय खिलाड़ियों में बात करे तो पेंटला हरीकृष्णा 2708 अंकों के साथ 31वें,

पर चल रही है। वहीं टीम रैंकिंग की बात करे तो पुरुष वर्ग में भारत 2713 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर और मजबूत हुआ है। जबकि यूएसए 2724 अंकों के साथ विदित गुरजाती 14वें और डी युकेस 2743 अंकों के साथ 16वें स्थान पर हैं। अन्य भारतीय खिलाड़ियों में बात करे तो पेंटला हरीकृष्णा 2708 अंकों के साथ 31वें,

डेविस कप

भारत ने पाकिस्तान को हराकर विश्व ग्रुप वन में किया प्रवेश



इस्लामाबाद (एजेंसी)। भारतीय टीम ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ जीत के साथ डेविस कप 2024 विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। आज यहां पाकिस्तान सोर्टेस कॉम्प्लेक्स में भारतीय खिलाड़ियों ने पहले दिन 2-0 की बढ़त के साथ शुरुआत की।

युकेस भारतीय और साकेत माझनी ने पाकिस्तान के अकालीन खान और मुजिम्पल मुर्तजा की जोड़ी को दो घंटे तक चले इस युगल मुकाबले में 6-2, 7(7)-6(6) से हराया। यह 2024 डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की लगातार आठवीं जीत है। भारतीय युगल जोड़ी ने पहले सेट के पहले गेम में ही बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तानी जोड़ी की सर्विस ब्रेकर कर 1-0 की बढ़त ले ली।

पांचवें गेम में विपक्षी टीम की सर्विस ब्रेक करने के बाद भारतीय टीम ने सेट 2-0 की बढ़त के साथ अपनी अपनी अपनी सर्विस बनाए रखी। हालांकि, भारतीय और माझनी ने विपक्षी टीम पर दबाव बनाये रखा।

भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गंवाया और शेष पाँच अंक हासिल कर मैच में जीत दर्ज की और सिंचार में होने वाले डेविस कप विश्व ग्रुप वन में प्रवेश किया। उड़ेकरनीय है कि डेविस कप विश्व ग्रुप वन प्ले-ऑफ के पहले दिन रामकुमार रामनाथन ऐसाम-उल-हक कुरौशी को 6(7)-7(3), 7(7)-6(4), 6-0 से हराया था। जबकि श्रीम बालाजी ने अकालीन खान को सीधी सेटों में 7-5, 6-3 से पराजित किया। दूसरे दिन भारत ने युगल मुकाबले में जीत दर्ज करते हुए 3-0 की अजेय बढ़त ले ली।

अंडर-19 वर्ल्ड कप में हो सकता है भारत-पाकिस्तान फाइनल

दोनों का सेमीफाइनल जीतना जरूरी, आयरलैंड से हराकर न्यूजीलैंड बाहर

ICC अंडर-19 वर्ल्ड कप

IND vs PAK

फाइनल



सानिया मिर्जा के बेटे इजहान ने स्कूल जाना छोड़ा

पिता शोएब मलिक की तीसरी शादी के कारण वलास में प्रेशर रहे स्टूडेंट्स

मुंबई (एजेंसी)। सनिया के तलाक और शोएब मलिक की तीसरी शादी के बाद, उनके 5 साल के बेटे इजहान मिर्जा मलिक इससे प्रभावित होते दिख रहे हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार निहाय हांगे ने हाल ही में समा

टीवी को दिए इंटरव्यू में सनिया

से बातचीत का दावा किया।

हानीक के मुताबिक इजहान को

उसके स्कूल में इस हद तक

परेशान किया जा रहा है कि,

सनिया ने अपने बेटे

इजहान को मंटल हैल्प के बारे में चिंता

की, उन्होंने खुलासा किया

कि उनके पिता की तीसरी शादी से जुड़ी खबरें उन्हें

परेशान कर रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट के

मुताबिक सनिया अपने हौमायुन

हैंदराबाद लौटे आई हैं।

शोएब ने दो हाथों से जोड़

की तीसरी शादी के

शोएब की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

सोशल मीडिया पोस्ट में अपने

बेटे और अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

लाइफ में उस समय आए थे,

जब वो अपनी

साज़ी की तीसरी शादी की

संक्षिप्त समाचार
गुरुग्राम में डैकैती, बिल्डर के गोदाम से लाखों रुपए का सामान लेकर भागे बदमाश

नईदिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के सेक्टर 58 इलाके में डैकैती का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि करीब आधा दर्जन युवकों ने एक बिल्डर के गोदाम में डैकैती की वारदात को अंजाम दिया। युवकों ने गुरुवार देर रात लाखों रुपए का विजेती का सामान लूट लिया। रुटरसल, बदमाशों ने गोदाम के गाड़ों को बंधक बनाया रखा था। गोदाम पिकअप जीप में लाद कर फरार हो गया। रात भर गोदाम के दोनों गाड़ कर्मरे में बंद रहे। जानकारी के मुताबिक, कंपनी के मैनेजर ने बताया कि गुरुवार की आधी रात कुछ लोग दीवार कूदकर गोदाम के अंदर आए। गोदाम के अंदर घुसते ही बदमाशों ने सुरक्षा गार्ड सुरक्षा और विवेक को एक कर्मरे में बंद कर दिया। उसके बाद वे गाड़ से गोदाम की चाबियां लिए और गेट खोलकर सामान अपनी पिकअप जीप में भरने लगे। वे गोदाम से लाखों रुपए की लोहे की लिंगों और तार चुराकर भाग गए। कंपनी के मैनेजर ने बताया कि डैकैती करने आए अपरोपी गोदाम में मौजूद दोनों गाड़ कर्मरे के अंदर बंद हैं। इसके बाद उन लोगों ने गाड़ को कर्मर से बाहर निकाला और अधिकारियों को इस बारे में सूचना दी।

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को अंजाम दिल्ली के खिलाफ अपरोपी की धारा 395 (डैकैती), 397 (मौत या गंभीर चोट पहुंचने के प्रयास के साथ डैकैती), 342 (गलत तरीके से बंधक) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। सेक्टर 56 पुलिस स्टेशन के सहू इंस्पेक्टर सतीश कुमार ने कहा कि आरोपियों के बारे में जानकारी एकत्र कर ली गई है और उन्हें जल्द ही प्रियंकर कर लिया जाएगा।

महिला ने साथी यात्री पर लगाया छेड़छाड़ करने का आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी। स्पाइसजेट की फ्लाइट में एक बार फिर शर्मसार करने वाली घटना हो गई। कोलकाता से बांगडोगरा जाने वाली एक फ्लाइट में सवार महिला ने अपने सह-यात्री पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया है। पुरुष यात्री पर महिला से छेड़छाड़ का आरोप कैरियर के प्रवक्ता के अनुसार, घटना के बाद किंवदन कर्व ने पुरुष यात्री की सीढ़ी के बाहर किंवदन के प्रवक्ता ने कहा कि 31 जनवरी को जब स्पाइसजेट की उड़ान एप्सी 592 कोलकाता से बांगडोगरा जा रही थी, तब एक महिला यात्री के साथ एक घटना घटी, जिसने अपने सह-यात्री पर अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया। इसके बाद कैरियर के नियत ने अपनी संभालते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया और साथी यात्री की सीट बदल दी। हालांकि, अपरोपी सह-यात्री ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। एयरलाइन ने कहा कि आरोपी सह-यात्री द्वारा नियमित रूप से लिया जाने वाला विवरण विवरण के अनुसार नहीं दिया गया है। बांगडोगरा जा रही थी, और गुरुवार को अंजाम दिल्ली अपरोपी सह-यात्री को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 592 ने अपने सह-यात्री को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद कैरियर के नियत ने अपनी संभालते हुए तुरंत हस्तक्षेप किया और साथी यात्री की सीट बदल दी। हालांकि, अपरोपी सह-यात्री ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। एयरलाइन

ने कहा कि आरोपी सह-यात्री द्वारा सीआईएसएफ कम्मीशनरियों की उपस्थिति में माफी मांगने के बाद महिला यात्री बिना कोई लिखित शिकायत दर्ज किए बांगडोगरा हवाई अड्डे से चली गई। बांगडोगरा पर शुरू होने वाले एक विमानों को स्पाइसजेट स्टाफ कर्मचारियों तक एक्स्कोर्ट किया गया। महिला यात्री ने सह-यात्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस पर, अपरोपी सह-यात्री ने सीआईएसएफ स्टाफ की उपस्थिति में माफी मांगी।

महाराष्ट्र पुलिस और सैन्य खुफिया विभाग ने ऑपरेशन को दिया अंजाम

नईदिल्ली, एजेंसी। महाराष्ट्र पुलिस और सैन्य खुफिया विभाग ने संयुक्त रूप से शुक्रवार को खुले बाजार में भारतीय सेना की अंजाम कार्रवाई नकली वर्दी के बिना कोई विवरण और बिक्री में शामिल दिल्ली नियत किया गया है। एक विवरण के अनुसार, दिल्ली और राजस्थान के अंजाम कार्रवाई नकली वर्दी के बिना कोई विवरण नहीं दिया गया है। इसके बाद पुलिस ने अपने एक विवरण के अनुसार, दिल्ली और राजस्थान के अंजाम कार्रवाई नकली वर्दी के बिना कोई विवरण नहीं दिया गया है। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया। इस पर, अपरोपी सह-यात्री ने किसी भी गलत काम से इनकार किया है। जिसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी को खाली बालों से भरा बदल दी। इसके बाद एप्सी 38 वर्षीय धोष को चुना गया।

परिचयी और सैन्य खुफिया की विधान सभा ने एप्सी